मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 125 ■ बुधवार, 30 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

फरहान अख्तर ने मिलिट्री ट्रेनिंग ली

अंबरनाथ में पानी की समस्या क्यों?

■ नए जलशुद्धीकरण केंद्र की जरूरत

■ 100 साल पुराना जलशुद्धीकरण केंद्र होने से बढ़ी परेशानी

अंबरनाथ. अंबरनाथ और बदलापुर में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है. शहरवासियों के लिए ये परेशानी की बात है कि उल्हास नदी एवं बारवी डैम में भरपूर पानी के बावजूद उन्हें दो से तीन दिन तक पानी क्यों नहीं मिल रहा है. जांच करने पर पता चला है कि इन दोनों शहरों को जलशुद्धीकरण केंद्र से जलापूर्ति की जाती है. ये जलशुद्धीकरण (पानी को साफ करने) का केंद्र ब्रिटिश कालीन है. इस जलशुद्धीकरण केंद्र को 100 साल हो चुके हैं. जनसंख्या की तुलना में उसकी क्षमता कम है. इसके अलावा नियोजन शून्य कारोबार के कारण लोगों को पानी नहीं मिल रहा है.

बदलापुर पश्चिम के उल्हास नदी पर 1928 में अंग्रेजों द्वारा बनाए गए बैरेज बांध से जलशुद्धीकरण करके अंबरनाथ और बदलापुर शहर को जलापूर्ति की जाती है और आर्डनेंस कंपनी को भी पानी दिया जाता है. यहां से रोजाना 140 एमएलडी पानी शुद्ध किया जाता है. अंग्रेजों के जमाने में ठाकुर्ली तक जलापूर्ति की जाती थी. अभी अंबरनाथ और बदलापुर को यहां से जलापूर्ति की जा रही है. अंबरनाथ शहर की पानी की जरूरीत 70 से 80 एमएलडी, बदलापुर को 60 से 70 एमएलडी और आर्डनेंस फैक्टरी को 5 एमएलडी पानी रोजाना दिया जाता है. जलशुद्धीकरण केंद्र से 140 एमएलडी पानी ही लिया जाता है क्योंकि जलशुद्धीकरण की क्षमता ही उतनी है, जो कि अंग्रेजों के जमाने में बनाया गया था. पानी का लीकेज, बिजली की आंखमिचौली, पानी की चोरी इन दोनों शहरों में 20 से 30 प्रतिशत पानी कम होकर ही लोगों को मिलता है. इसलिए दोनों शहरों में पानी के लिए हाहाकार मचा है. मुख्य कारण है 100 वर्ष पुराना जलशुद्धीकरण केंद्र. जरूरत है दोनों शहरों के लिए नए जलशुद्धीकरण केंद्र के निर्माण की, जिससे ज्यादा जलशुद्धीकरण किया जा सके. उसके लिए प्रशासन द्वारा कार्य भी शुरू हो चुका है. जिसके लिए 5 से 6 वर्ष लग सकते हैं.

उल्हासनगर में कचरे का साम्राज्य

जीरो गारबेज का वादा फेल

कोणार्क कंपनी शहर से कचरा हटाने की बजाय बढ़ा रही कचरा

■ 'कोणार्क' कंपनी के कर्मचारी सड़क पर फेंक रहे कचरा

■ वीडियो से उजागर हुआ मामला

■ उल्हासनगर मनपा ने कार्रवाई का दिया संकेत

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर जिसे समस्या नगर कहा जाए तो ज्यादा अच्छा होगा क्योंकि यहां हर तरह की समस्या से लोग खुशी-खुशी जूझ रहे हैं। एक तरफ शहर की सड़कों को गड्ढों ने गायब कर दिया है तो उन्हीं गड्ढे नुमा सड़कों पर कचरे का साम्राज्य भी बहुत ही साफ साफ देखने को मिल सकता है। लेकिन प्रशासन निजी ठेकेदार पर इतना मेहरबान है कि उन्हें खुली छूट दी हुई है। जीरो गारबेज का वादा जो कोणार्क कंपनी ने अपने डबल किए हुए ठेके में किया था वो पूरी तरह फेल साबित हुआ है। शहर में कचरे की गाड़ियों से गिरता कचरा इस बात का सबूत है कि शहर में जगह-जगह साफ-साफ कचरा दिखाई दे रहा है लेकिन शहर के नेताओं, विधायक व सांसद को नहीं दिखाई देता तो शहर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। शहर के रखवाले ही चोरों को मदद कर रहे हैं और जिससे शहर बर्बादी की ओर जा रहा है।

पैनल 18 में सेंटर पार्क होटल के सामने से कचरा कुंडी हटाए जाने से समस्या खत्म होने की उम्मीद थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने खुलासा किया है कि वहां लगे कचरे के ढेर के पीछे असल में 'कोणार्क' कंपनी के कर्मचारी हैं। इसका वीडियो बनाकर अधिकारियों को भेजे जाने के बाद आखिरकार प्रशासन हरकत में आया और कार्रवाई के आदेश दिए गए।

उल्हासनगर महानगर पालिका के 'कचरा कुंडी मुक्त शहर अभियान' के तहत कुछ दिन पहले पैनल 18 स्थित सेंटर पार्क होटल के सामने लगे कचरा कुंडी को हटा दिया गया था। हालाँकि, कचरा कुंडी हटा दिए जाने के बाद भी, वहाँ हर दिन कचरा जमा होता रहता है, जिससे क्षेत्र में बदबू, गंदगी और अस्वास्थ्यकर स्थिति पैदा होती है। इसका सीधा असर पड़ोस के निवासियों के साथ-साथ कुर्ला कैंप और स्टेशन के बीच रिक्शा से यात्रा करने वाले निवासियों और स्कूल आने वाले छात्रों पर पड़ रहा है। गुरु नानक स्कूल, सत्य साईं स्कूल, विशाखा विद्यालय और मराठी स्कूलों में पढ़ने वाले सैकड़ों छात्र प्रतिदिन इस मार्ग से यात्रा करते हैं। मानसून के दौरान स्थिति और भी बदतर हो जाती है। कचरे के कारण जमा हुआ पानी सीधे सड़कों पर बहता है और बच्चों को उस गंदे पानी से होकर स्कूल जाना पड़ता है। इससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ने की संभावना है।

इस घटना के बारे में पूछे जाने पर सेनेटरी इंस्पेक्टर नरेश परमार ने शुरू में कहा, 'स्थानीय नागरिक ही कचरा फेंक रहे हैं।' हालांकि, स्थानीय लोगों ने इस संबंध में गंभीर जानकारी और वीडियो साक्ष्य प्रस्तुत किए। इस वीडियो में कोणार्क कंपनी के कर्मचारी साफ तौर पर एक ट्रॉली में कचरा लाकर उसी जगह फेंकते नजर आए, जहां से कचरा कुंडी को हटाया गया था। इस वीडियो में सामाजिक कार्यकर्ता एड. प्रशांत चंदनशिव ने उल्हासनगर मनपा अधिकारी एकनाथ पवार और स्वच्छता निरीक्षक नरेश परमार को भेजा। बताया जा रहा है कि उन्होंने इसे गंभीरता से लिया है और संबंधित कोणार्क कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इस घटना से क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों में रोष की लहर फैल गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुंडी हटाने से समस्या सुलझने के बजाय और गंभीर हो गई है। यह बात सामने आने के बाद कि इसके पीछे स्थानीय लोगों का नहीं बल्कि ठेकेदार संगठन के कर्मचारियों का हाथ है, नागरिकों और छात्रों के अभिभावकों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन इस संबंध में तत्काल ठोस कदम उठाएगा।

सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत चंदनशिव ने कहा कि स्वच्छता अभियान का मतलब सिर्फ कूड़ा उठाना नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक स्थायी और जिम्मेदार ढांचा होना चाहिए।

केडीएमसी के ठेका सफाई कर्मचारियों का काम बंद आंदोलन आश्वासन के बाद समाप्त

कल्याण. केडीएमसी में ठेका पद्धति पर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार सुबह से काम बंद आंदोलन शुरू किया। इन कर्मचारियों की मांग थी कि उन्हें सुमित एल्को प्लास्ट कंपनी में शामिल किया जाए। लगभग चार घंटे तक चले इस आंदोलन को शिवसेना (उबाठा) की मध्यस्थता से सुलझा लिया गया। कंपनी ने 15 अगस्त तक सभी कर्मचारियों को शामिल करने का लिखित आश्वासन दिया, जिसके बाद आंदोलन वापस ले लिया गया। सफाई व्यवस्था का ठेका हाल ही में सुमित कंपनी को दिया गया है। इससे पहले यह काम एक अन्य कंपनी के पास था, जिसका ठेका रद्द कर दिया गया। 18 मई से सुमित कंपनी ने कचरा उठाने का काम शुरू किया है।

पुलिस का 'ऑपरेशन ऑल आउट'

■ 42 अधिकारी और 241 अमलदार हुए शामिल

■ एक रात में 67 लोगों को नोटिस

■ लॉज और बार सहित 59 स्थानों पर निरीक्षण

उल्हासनगर. आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए उल्हासनगर जोन-4 में पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में 'ऑपरेशन ऑल आउट' के तहत एक सख्त अभियान चलाया गया। सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली ने व्यक्तिगत रूप से इस अभियान का नेतृत्व किया और सभी स्तरों पर अभियान चलाया. अपराधियों के ठिकानों तक सीधे पहुंचकर अपराधियों के ठिकानों, संदिग्धों की गतिविधियों, बार, लॉज और वाहनों की नाकाबंदी सभी स्तर पर अभियान चलाया गया.

पुलिस ने अपराध रोकने के लिए रात में सख्त कार्रवाई की। इस छापेमारी में कुल 42 अधिकारी और 241 अमलदार शामिल थे। आपराधिक मामलों में महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत नोटिस जारी किए गए, जिनमें प्रतिबंधित शराब की बिक्री, जुआ, मादक पदार्थों का सेवन, तंबाकू नियंत्रण अधिनियम (सीओपीटीए) के तहत कार्रवाई, वारंट का निष्पादन और अभियोजन शामिल हैं। शराबबंदी के 10 मामलों में कुल 10 नोटिस जारी किए गए, जबकि जुआ के 2 मामलों में 6 नोटिस जारी किए गए। एनडीपीएस के तहत 5 मामलों में संबंधितों को नोटिस जारी किए गए। कुल 41 मामलों में नोटिस जारी किये गये। वारंटों के निष्पादन में 8 वारंटियों में से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, 5 को नोटिस दिया गया तथा 1 गिरफ्तारी निरस्त की गई। एम.पी. एक्ट की धारा 142 के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। लॉज और बार सहित 59 स्थानों पर निरीक्षण किया गया। हालाँकि, कोई कार्रवाई नहीं हुई। हिस्ट्रीशीटरों, दंगाइयों और अवैध प्रवासियों के 108 मामलों की जांच की गई।

पुलिस बल की ओर से अपराधियों को चेतावनी

'ऑपरेशन ऑल आउट' के माध्यम से आपराधिक प्रवृत्तियों की जड़ पर प्रहार करने का हमारा संकल्प और मजबूत हो गया है। जोन-4 में एक ही रात में किया गया यह बड़ा ऑपरेशन पुलिस बल की ओर से अपराधियों के लिए स्पष्ट चेतावनी है। किसी भी अपराध को करने की छूट नहीं है, हमारे प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी पूरी ताकत से इस अभियान में जुटे थे। ऐसे अभियान तीव्र किये जायेंगे तथा जारी रहेंगे ताकि नागरिक निडर होकर रह सकें। उल्हासनगर को सुरक्षित रखना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है और हम इसे अवश्य पूरा करेंगे।

-सचिन गोरे, पुलिस उपायुक्त

बदलापुर में गणेशोत्सव से पहले खत्म हो जाएगी बिजली की किल्लत

■ अंबरनाथ से बदलापुर तक नई महावितरण लाइन

बदलापुर. बदलापुर में पिछले कुछ महीनों से चल रही बिजली की किल्लत जल्द ही खत्म होने के संकेत मिल रहे हैं। इसके समाधान के रूप में महावितरण ने मोरीवली सब-स्टेशन से बदलापुर तक एक अलग लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है, जिससे बदलापुर में चल रही बिजली की किल्लत खत्म होने की उम्मीद है।

पिछले कुछ महीनों से बदलापुर में चल रही बिजली की किल्लत से नागरिक स्तब्ध हैं। बदलापुर में भाजपा पदाधिकारियों ने इस मुद्दे पर महावितरण अधिकारियों को आड़े हाथों भी लिया था, लेकिन उसके बाद भी स्थिति जस की तस बनी रही। इसलिए विधायक किसन कथोरे ने यह समस्या सीधे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष उठाई थी। इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने बार-बार होने वाली बिजली कटौती से निपटने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए थे।

तदनुसार, महावितरण ने अंबरनाथ के मोरीवली सबस्टेशन से बदलापुर तक नई लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है। इसके लिए कुल 16 किलोमीटर केबल और 40 ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए गए हैं। उम्मीद है कि यह कार्य अगले महीने पूरा हो जाएगा, जिससे बदलापुर में बिजली की कमी समाप्त हो जाएगी।

हाल ही में भाजपा के पूर्व बदलापुर शहर अध्यक्ष रमेश सोलसे, ठाणे जिला महासचिव संभाजी शिंदे, पूर्व शहर अध्यक्ष शरद तेली आदि ने महावितरण के अधिकारियों के साथ मिलकर कार्य का निरीक्षण किया था। स्थानीय विधायक किसन कथोरे ने मांग की थी कि बदलापुर शहर को टाटा कंपनी से वैकल्पिक बिजली उपलब्ध कराई जाए। टाटा पावर कंपनी ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

दुर्लभ मास बुबी पक्षी मिला

■ वन विभाग ने लिया कब्जे में

■ चिकित्सीय जांच कर इसे छोड़ा जाएगा

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम में एक दुर्लभ समुद्री पक्षी, मास बुबी की खोज के बाद आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। वन अधिकारी वैभव वालिम्बे ने बताया कि सौभाग्यवश, पक्षी को सुरक्षित रूप से वन विभाग ने कब्जे में ले लिया है और चिकित्सीय जांच के बाद उसे उसके आवास में वापस छोड़ दिया जाएगा।

कुछ लोगों को अंबरनाथ शहर के पश्चिम में चिंचपाड़ा इलाके में जमीन पर मास बुबी पक्षी पड़ा मिला। इसके बाद उन्होंने पक्षी मित्रों से संपर्क किया और मास बुबी को उनकी देखरेख में सौंप दिया गया। पक्षी मित्रों ने इस पक्षी को बदलापुर वन कार्यालय पहुंचाया और अधिकारियों को सौंप दिया गया।

वन अधिकारी वैभव वालिम्बे ने पक्षी को अपने ट्रांजिट सेंटर भेज दिया है और कहा है कि आवश्यक उपचार के बाद उसे उसके आवास में छोड़ दिया जाएगा। मास बुबी को मराठी में बड़ा समुद्री कौआ या नकाबपोश बुबी कहा जाता है। यह पक्षी प्रवासी नहीं है। इसलिए, यह भी कहा जाता है कि हवा की दिशा में परिवर्तन या तूफानी हवाओं के कारण पक्षी गलती से इस स्थान पर आ गया।

अंबरनाथ पुलिस ने कई जगह पर मारे छापे

अंबरनाथ. पुलिस ने अंबरनाथ में कई जगहों पर छापेमारी कर नशीली दवाओं, जुआ और शराब के अड्डों पर कार्रवाई की। इसमें सात से आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस कांस्टेबल वासुदेव रामभाऊ दराडे को सूचना मिली थी कि शहर के छत्रपति शिवाजी मार्केट क्षेत्र में एक जुआ अड्डे और एक किराने की दुकान के बगल में एक गावठी शराब की भट्टी खुलेआम चल रही है। इस सूचना के आधार पर, पुलिस ने छापा मारा और मुर्गेश गणेश देवर (23), संजय गुप्ता (43), जॉनसन मॉर्गस (43) और मनोज साहनी (53) को जुआ खेलते हुए पाया। इन चारों लोगों के खिलाफ जुआ निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया, जबकि विलास म्हात्रे (34) के खिलाफ शराब की अवैध बिक्री और शराब निषेध अधिनियम (65) आदि के तहत मामला दर्ज किया गया। इस बीच, शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत गावदेवी क्षेत्र में ड्रग्स का सेवन करते पाए गए 19 वर्षीय बेरोजगार मजदूर आकाश जायसवाल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अंबरनाथ से गुज़रने वाले राजमार्ग की खस्ता हालत

■ वाहन चालक परेशान

■ दुर्घटना का ख़तरा

अंबरनाथ. अंबरनाथ के आनंदनगर एमआईडीसी से गुज़रने वाले राज्य राजमार्ग का सीमेंट कंक्रीटिंग कार्य अधूरा होने से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर कई जगहों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है और दुर्घटनाओं का ख़तरा बढ़ गया है।

यह राज्य राजमार्ग कर्जत-नवी मुंबई क्षेत्र के शहरों और ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ अंबरनाथ, बदलापुर, डोंबिवली और नवी मुंबई के औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ता है। इसलिए इस सड़क पर हमेशा भारी यातायात रहता है। वर्तमान में, चूँकि सड़क का सीमेंट कंक्रीटिंग कार्य अधूरा है, इसलिए यह सड़क बदहाल हो गई है, खासकर वसार, नेवाली और खोनी फाटा क्षेत्रों के गाँवों के पास। मानसून के दौरान, इन गड्ढों में पानी जमा हो जाता है और तालाब का रूप ले लेता है। इससे सड़क और भी खतरनाक हो जाती है। इस विकट स्थिति के कारण दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है और वाहनों के खराब होने की संख्या में भी वृद्धि हुई है। इस सड़क की खस्ता हालत का एक और बड़ा कारण वसार गाँव के पास एक किसान परिवार और महाराष्ट्र सरकार के बीच चल रहा ज़मीनी विवाद है। इस विवाद के चलते किसान ने अपने हक़ के लिए राज्य राजमार्ग की लगभग 200 मीटर की पट्टी में रोड़ा अटका दिया है। चूँकि यह विवाद अदालत में लंबित है, इसलिए इस पट्टी के कारण यातायात में काफ़ी रुकावट आ रही है और अक्सर भारी जाम लग जाता है। अंबरनाथ के पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंखे ने उद्योग मंत्री उदय सामंत और एमआईडीसी प्रशासन को एक लिखित बयान जारी करके महाराष्ट्र सरकार से इस मामले का तुरंत समाधान निकालने की माँग की है।

■ दोपहिया वाहनों के लिए सड़क जानलेवा

अधूरे काम के कारण यह सड़क सभी वाहनों के लिए तो खतरनाक हो ही गई है, लेकिन दोपहिया वाहनों के लिए तो यह और भी ज़्यादा जानलेवा होती जा रही है। हज़ारों लोग रोज़ाना काम के लिए दोपहिया वाहनों से सफ़र करते हैं। इसलिए संबंधित प्रशासन को तुरंत गड्ढों को भरना चाहिए.

बदहाल सड़कों को लेकर रिक्शा चालकों में नाराजगी

सोशल मीडिया पर मनपा प्रशासन की आलोचना

शहर की सड़कों की खराब हालत को लेकर सोशल मीडिया पर मनपा प्रशासन की आलोचना हो रही है। एक कलाकार ने गीत के माध्यम से महानगर पालिका प्रशासन की आलोचना की है। 'तकलीफ में मेरे शहर के रिक्शावाले' थीम वाला एक गाना इन दिनों उल्हासनगर में सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। रिक्शा चालक मनपा के अधिकारियों से अनुरोध कर रहे हैं कि वे उल्हासनगर शहर के गड्ढों के आसपास घूमकर आएं, वातानुकूलित कार्यालय से बाहर आकर शहर की सड़कों की खराब हालत देखें और एक दिन के लिए रिक्शा चलाकर भी देखें।

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर की सड़कों पर बने गड्ढों ने वाहन चालकों को परेशान कर दिया है, वहीं रिक्शा चालकों का गुस्सा भी बढ़ गया है। शहर की सड़कें, चौराहे और फ्लाईओवर गड्ढों से भरे होने के कारण वाहनों की मरम्मत की लागत बढ़ गई है। गड्ढों के कारण वाहनों की गति भी धीमी हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप शारीरिक और वित्तीय कठिनाई हो रही है। शहर में महानगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान उठ रहे हैं।

उल्हासनगर शहर में सड़कों की हालत दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। बारिश शुरू होते ही शहर की डामर सड़कों पर गड्ढे दिखाई देने लगे। वहीं, शहर के महत्वपूर्ण चौराहों पर भी गड्ढों की संख्या बढ़ गई है, जहां पेवर ब्लॉक लगाए गए हैं। शहर के फ्लाईओवरों पर भी गड्ढों का साम्राज्य फैला हुआ दिखाई दे रहा है। इसलिए वाहन चालकों में रोष का माहौल है। जैसे ही आप उल्हासनगर शहर में अंबरनाथ की ओर प्रवेश करते हैं, गड्ढे शुरू हो जाते हैं। कल्याण बदलापुर रोड पर फॉलोअर लाइन, अनिल अशोक सिनेमा के बाहर गड्ढे, 17 सेक्शन चौक, शांतिनगर, साथ ही कैंप-1, गोल मैदान, सीरु चौक, नेहरू चौक रोड, सपना उद्यान के पीछे, गुलराज टॉवर, कुर्ला कैंप, भाटिया चौक, वीटीसी मैदान रोड जैसी कई सड़कें वर्तमान में गड्ढों से भरी हुई हैं।

वाहन चालकों को इस गड्ढे से होकर गुजरने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन गड्ढों का अनुमान न लगा पाने के कारण वाहन चालक अक्सर अपना संतुलन खो देते हैं। इस गड्ढे से गुजरते समय वाहनों को धीमी गति से चलना पड़ता है। इससे महत्वपूर्ण सड़कों पर यातायात की भीड़ बढ़ गई है। इसलिए वाहन चालकों को गड्ढों और ट्रैफिक जाम दोनों का सामना करना पड़ता है।

इन गड्ढों के कारण वाहनों के रखरखाव और मरम्मत की लागत भी बढ़ गई है। वाहनों में रिक्शा चालक सबसे अधिक प्रभावित हैं। रिक्शा चालकों का कहना है कि गड्ढों के कारण रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, जिससे आय कम और खर्च अधिक हो रहा है। मरम्मत के साथ-साथ, रिक्शा चालकों का कहना है कि गड्ढों वाली सड़कों पर यात्रा करने से उन्हें होने वाली शारीरिक बीमारियों की संख्या भी बढ़ गई है।

उल्हासनगर में पहली बार एम्बुलेंस ड्राइवरों की संपर्क सूची प्रकाशित

उल्हासनगर. शहर में चिकित्सा आपात स्थिति में समय पर एम्बुलेंस न मिलने के कारण कई लोगों की जान जाने की घटनाओं ने नागरिकों में बेचैनी पैदा कर दी थी। इसी पृष्ठभूमि में, सामाजिक संगठन 'सिटीजन हेल्थकेयर फाउंडेशन' के प्रयासों से उल्हासनगर महानगरपालिका ने एक सकारात्मक कदम उठाया है। महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग ने पहली बार शहर के सभी नागरिक स्वास्थ्य केंद्रों से संचालित होने वाली एम्बुलेंस की संपर्क सूची प्रकाशित की है। इस सूची में वाहन संख्या, चालक का नाम और सीधे मोबाइल नंबर शामिल हैं। यह जानकारी नागरिकों को सोशल मीडिया पर उपलब्ध कराई गई है।

इस सूची के साथ, नागरिक अब आपात स्थिति में एम्बुलेंस ड्राइवरों से सीधे संपर्क कर सकेंगे। नागरिकों का मानना है कि यह सूची केवल जानकारी के लिए नहीं, बल्कि प्रभावी ढंग से उपयोग की जानी चाहिए। फाउंडेशन ने मांग की है कि प्रशासन अगले चरण में 'वॉर रूम' में आने वाली नई एम्बुलेंस की जानकारी अपडेट रखे। फाउंडेशन ने स्पष्ट किया है, यह लड़ाई अभी ख़त्म नहीं हुई है, यह तो बस शुरुआत है। हालाँकि यह एक सकारात्मक शुरुआत है, लेकिन नागरिक उम्मीद करते हैं कि यह व्यवस्था समय पर और ज़िम्मेदारी से काम करती रहेगी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

भगदड़ बन चुकी है रोज का खबर

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और भीड़-भाड़ के बीच भगदड़ एक सामान्य घटना बनती जा रही है। कभी धार्मिक सभाओं के आयोजन, रेल में चढ़ते वक्त, तो कभी मंदिरों में भगदड़ से लोगों की जान जा रही है। मगर, चिंता की बात है कि इन घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं लिया जाता। हर बार गहन जांच, सख्त कार्रवाई और भविष्य में एहतियाती उपाय करने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है।

उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में रविवार को भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत इसी लापरवाही का नतीजा है। हैरत की बात है कि इससे अगले ही दिन उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के अवसानेश्वर मंदिर में भी ऐसी ही घटना में दो लोगों की मौत हो गई। ऐसा लगता है कि भगदड़ का एक सिलसिला शुरू हो गया है और व्यवस्थागत खामियों की सिलवटें हैं कि ठीक होने का नाम ही नहीं ले रही हैं।

पिछले दिनों महाकुंभ में भगदड़ मचने से अनेक लोग मारे गए। इसके बाद बंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न में आयोजित समारोह में भगदड़ से कई लोगों की जान चली गई। इससे पहले हाथरस के एक आश्रम में हुई भगदड़ की घटना को भी नहीं भूलाया जा सकता। सवाल है कि आखिर ऐसी कितनी घटनाओं के बाद शासन और प्रशासन चेतेगा? मनसा देवी मंदिर में भगदड़ का कारण करंट फैलने की अफवाह को बताया जा रहा है। मगर, क्या इस तरह की अफवाह को हादसे में तब्दील होने से रोका नहीं जा सकता था? प्रशासनिक अमला इस तरह की आशंकाओं का अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है?

चिंता की बात यह है कि पूर्व की घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया जाता है। यही वजह है कि मनसा देवी मंदिर हादसे के दूसरे दिन पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की घटना हो गई। इसमें दोराय नहीं कि पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों समेत सार्वजनिक जगहों पर लोगों की भीड़ आए दिन बढ़ रही है। ऐसे में शासन-प्रशासन को भीड़ प्रबंधन के उपायों को सख्ती से लागू करना होगा और लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई अमल में लानी होगी। तभी व्यवस्था में सुधार की उम्मीद की जा सकती है।

आवारा कुत्तों के आतंक से बेबस जनता

देश के कई हिस्सों में आवारा कुत्तों के हमलों और रेबीज की बीमारी से होने वाली मौतों की घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए चिंता जताई है। भारत में आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इनके कारण जनजीवन और खासकर शहरी जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। यह समस्या केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि सामाजिक, स्वास्थ्य और प्रशासनिक संकट भी बनती जा रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में कुत्तों की संख्या छह करोड़ के करीब है, पर अनुमान है कि यह संख्या 12 करोड़ से भी अधिक है।

अकेले दिल्ली में ही आठ लाख से अधिक कुत्ते हैं और हर रोज कुत्तों द्वारा काटे जाने के करीब 2,000 मामले आते हैं। मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, लखनऊ जैसे महानगरों में लाखों कुत्ते सड़कों पर घूमते देखे जा सकते हैं। छोटे शहरों और कस्बों में स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि वहां इनकी देखभाल या नियंत्रण के कोई ठोस उपाय नहीं हैं। यह विडंबना ही है कि मानव द्वारा बसाए गए शहरों में अब आवारा कुत्तों के आतंक के चलते बच्चे खेलने, बुजुर्ग अकेले टहलने, लोग पैदल चलने और दोपहिया वाहन चलाने से डरने लगे हैं। अचानक हमला कर देने वाले कुत्ते जानलेवा साबित हो रहे हैं। रात के समय तो इनका आतंक और बढ़ जाता है।

सबसे भयावह समस्या है आवारा कुत्तों का काटना और उससे होने वाली बीमारी रेबीज। भारत में हर साल 15-20 लाख लोगों को कुत्ते काटते हैं और लगभग 20,000 मौतें रेबीज के कारण होती हैं। यह संख्या विश्व में सबसे अधिक है।

इससे देश की स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। कई बार समय पर रेबीज का टीका न मिलने पर पीड़ित को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

यह संघर्ष अब सड़कों और अदालतों तक पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक मामले में टिप्पणी की कि जिनको कुत्तों से प्रेम है, वे उन्हें अपने घर ले जाकर खाना खिलाएं, सड़कों पर नहीं। तमाम रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) मांग कर रहे हैं कि सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो और सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम भेजा जाए। शहरों में 'नो डाग आन स्ट्रीट पालिसी' लागू की जाए।

हालांकि आवारा कुत्तों की नसबंदी कर उनकी आबादी को नियंत्रित करने के लिए नगर निगमों के पास एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) योजना है, लेकिन वह कागजों में सिमट कर रह गई है। कुत्तों की नसबंदी एवं उनका वैक्सीनेशन ठीक से हो नहीं रहा, क्योंकि यह काम मुख्य रूप से एनजीओ पर छोड़ दिया गया है, जिनमें काफी भ्रष्टाचार है। एबीसी रूल्स, 2023 में संशोधन की आवश्यकता है, क्योंकि उसके नियम सोसायटियों पर अत्यधिक बोझ डालते हैं। इन नियमों में लोगों को कुत्तों को सोसायटी परिसर में ही खिलाने और उनके लिए जगह तय करने को कहा गया है। इससे अक्सर विवाद होते हैं।

आखिर नसबंदी के बाद भी कुत्तों को मोहल्लों, सोसायटियों में ही क्यों छोड़ दिया जाता है। जो कुत्ते आक्रामक या काटने वाले हों, उन्हें तो वहां से हटाया जाना चाहिए। आवासीय परिसरों में आवारा कुत्तों पर प्रतिबंध लगना चाहिए, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। लोग मदद के लिए सरकारी विभागों को फोन करते हैं, शिकायतें दर्ज होती हैं, लेकिन कार्रवाई न के बराबर होती है। कभी-कभी परेशान लोग कटखने कुत्तों को भगा देते हैं, तो पशु प्रेमी व्यक्ति या संगठन उन पर केस कर देते हैं। कुत्ता पालतू हो या आवारा, उसे आदमी से अधिक अहमियत नहीं मिलनी चाहिए।

आवारा कुत्तों का हल केंद्र एवं राज्य सरकारों को स्थानीय निकायों के साथ मिलकर खोजना होगा। इसके लिए नसबंदी अभियान तेज, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाना चाहिए। पिछले 15 वर्षों से कुत्तों की गिनती नहीं हुई है। उनकी गिनती के साथ जीपीएस ट्रैकिंग जैसे उपाय लागू करने चाहिए। सभी शहरों में डाग शेल्टर बनने चाहिए। पशु प्रेमियों को कुत्तों को गोद लेने को कहा जाए। आज यदि हम कैब, फूड डिलीवरी और पेमेंट के लिए एप बना सकते हैं, तो आवारा कुत्तों की रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग के लिए क्यों नहीं? कुत्ते हमारी सभ्यता का हिस्सा रहे हैं।

नम्रता इस बात का चिह्न है कि हम जान गए हैं कि हमारे अंदर एक उच्चतर सत्ता मौजूद है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ऑपरेशन सिंदूर - सरकार के दावे कायम

इसमें कोई दोराय नहीं कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जो कदम उठाया, आतंकवादियों के पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर हमला करके उसे तबाह किया, वह अब देश के इतिहास में एक शानदार अध्याय की तरह दर्ज रहेगा। मगर 'आपरेशन सिंदूर' के तहत चले अभियान के दौरान इस संबंध में जितनी भी खबरें आईं, उससे जिस तरह की धारणाएं बनीं, जो सवाल उठे, उनका जवाब देश के सामने रखना भी एक स्वाभाविक मांग है। इस क्रम में विपक्ष ने इस बात के लिए दबाव भी बनाया कि संसद में 'आपरेशन सिंदूर' पर बहस हो और सरकार उन सवालों का जवाब दे, जिन पर कई स्तर पर धुंधलका छाया हुआ है।

सही है कि भारत ने 'आपरेशन सिंदूर' के जरिए दुनिया को यह संदेश दिया कि अगर आतंकियों या उन्हें पालने-पोसने वाले देश ने भारतीय लोगों के जीवन से खिलवाड़ किया तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। मगर भारत की सोची-समझी और निर्धारित प्रतिक्रिया के दौरान हमलों का स्वरूप और उसके नतीजों को लेकर जिस तरह की खबरें आईं, उससे कई सवाल पैदा हुए। इसके जवाब में सरकार ने जो तस्वीर सामने रखी, वह आतंकियों के खिलाफ की गई प्रतिक्रिया की कामयाबी पर ही केंद्रित रही।

अब विपक्षी पार्टियों के जोर देने के बाद संसद में इस मसले पर बहस के लिए सबके बीच सहमति बनी, तो यह स्वागत योग्य है। इसके साथ ही यह उम्मीद स्वाभाविक है कि महज औपचारिक प्रतिक्रियाओं के बजाय सरकार 'आपरेशन सिंदूर' के तहत चलाए गए अभियान और उससे संबंधित तमाम सवालों का तथ्यगत जवाब देगी। यह इसलिए भी जरूरी है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष में किस पक्ष का कितना नुकसान हुआ, इसे लेकर कई तरह के भ्रम परोसे गए।

रक्षा मंत्री का भी कहना है कि सवाल यह नहीं कि नुकसान कितना हुआ, बल्कि यह है कि परिणाम क्या निकला। सरकार यह कहती रही है कि इस अभियान के शुरू होने के कुछ ही समय बाद पाकिस्तान इतने दबाव में आया कि उसने संघर्ष विराम की फरियाद करनी शुरू कर दी। दूसरी ओर, अमेरिका के राष्ट्रपति कई बार ऐसे दावे कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम उन्होंने कराया था। जाहिर है, इस तरह के धुंधलके के बीच एक स्पष्ट तस्वीर की जरूरत महसूस की जा रही थी।

दरअसल, आपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बावजूद यह पक्ष अब भी साफ नहीं हो सका है कि पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादी किस तरह घुसपैठ करके वहां पहुंच सके, वहां सुरक्षा व्यवस्था क्यों अनुपस्थित थी। फिर हमले के बाद आतंकी कैसे आराम से वहां से फरार भी हो गए? इसकी प्रतिक्रिया में पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कामयाब हमले तो किए गए, लेकिन पहलगाम में हमला करने वाले आतंकियों का क्या हुआ, यह अब तक साफ नहीं है।

एक जरूरी पक्ष यह भी है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने हमले के संदर्भ में सुरक्षा चूक की बात स्वीकार की थी। इन सब पहलुओं से जुड़े तथ्य सरकार के पास मौजूद होंगे। अब संसद में बहस के बीच यह उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार देशहित में सभी तथ्यपूर्ण बातों को संसद में सबके सामने रखेगी, ताकि इस समूचे मसले पर उठने वाले सवाल और उससे उपजने वाले भ्रम पर तस्वीर साफ हो सके।

ये है दुनिया का सबसे तेज सांप, चीते-सी रफ्तार

जरा हट के

एक वीडियो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. इस वीडियो में दुनिया का सबसे तेज सांप, ब्लैक मांबा, चीते की रफ्तार से दौड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, जो पलक झपकते ही आंखों से ओझल हो जाता है. यह वीडियो ना केवल लोगों को हैरान कर रहा है, बल्कि नागपंचमी के उत्साह को और बढ़ा रहा है.

ब्लैक मांबा, जिसे वैज्ञानिक रूप से डेंड्रोस्पिस पॉलीलेपिस के नाम से जाना जाता है, दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका का सबसे खतरनाक और तेज सांप है. यह सांप अपनी रफ्तार के लिए विश्व प्रसिद्ध है और 16-23 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ सकता है, जो इसे जमीन पर सबसे तेज सांप बनाता है. वायरल वीडियो में ब्लैक मांबा को एक खुले मैदान में चीते की तरह तेजी से रेंगते हुए देखा गया, जहां वह शिकार का पीछा करते हुए पलभर में गायब हो गया. इसकी गति और चपलता ने

नेटिजन्स को दंग कर दिया, और लोग इसे 'सांपों का चीता' कहकर पुकार रहे है.

नागपंचमी के दिन, जब लोग सांपों को दूध और लावा चढ़ाकर उनकी पूजा कर रहे हैं, इस वीडियो ने सांपों के प्रति जिज्ञासा और डर दोनों को बढ़ा दिया है. भारत में सांपों को धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है. समस्तीपुर में हाल ही में नागपंचमी मेले का एक वीडियो वायरल हुआ था, जहां लोग सांपों को गले में लपेटकर पूजा करते दिखे. लेकिन इस बार का वीडियो पूरी तरह अलग है, क्योंकि यह सांप की प्राकृतिक गति और शिकारी प्रवृत्ति को दर्शाता है.

सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखकर लोगों ने मिली-जुली प्रतिक्रियाएं दी है. एक यूजर ने लिखा, 'यह सांप तो चीते को भी मात दे सकता है! प्रकृति का कमाल है.' वहीं, एक अन्य ने टिप्पणी की, 'इतनी रफ्तार देखकर डर लगता है. इसे पास से देखना खतरनाक हो सकता है.' कुछ लोगों ने इस वीडियो को नागपंचमी के उत्सव से जोड़ते हुए कहा कि यह सांपों की शक्ति और रहस्य को दर्शाता है. हालांकि, कुछ ने यह भी सवाल उठाया कि क्या यह वीडियो वास्तविक है या डिजिटल रूप से बनाया गया है, जैसा कि पहले कुछ वायरल वीडियो के साथ हुआ था.

खाना-खजाना

मिक्स वेज सूप

मिक्स वेज सूप एक हेल्दी ऑप्शन है। इसे बनाना भी बेहद आसान है। ये आपके शरीर को सभी जरूरी पोषण प्रदान करती है।

सामग्री :

- गाजर एक बारीक कटी हुई
- बीन्स बारीक कटी हुई
- शिमला मिर्च बारीक कटी हुई
- पत्ता गोभी बारीक कटी हुई
- हरे मटर
- स्वीट कॉर्न
- प्याज एक बारीक कटा हुआ
- लहसुन तीन कली
- अदरक एक इंच का टुकड़ा बारीक कटा हुआ
- हरा प्याज
- मक्खन या तेल दो चम्मच
- पानी लगभग एक लीटर
- नमक स्वादानुसार
- काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार
- कॉर्न फ्लोर एक बड़ा चम्मच
- सिरका एक चम्मच

विधि :

सबसे पहले सभी सब्जियों को अच्छे से धोकर बारीक काट लें। अब एक बड़े पैन में मक्खन या तेल गरम करें। इसमें बारीक कटा हुआ लहसुन और अदरक डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें।

अब कटा हुआ प्याज डालें और भूनें। सभी सब्जियों को डालकर दो मिनट तक तेज आंच पर चलाते हुए भूनें। इसके बाद पानी और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं जब तक सब्जियां थोड़ी नरम न हो जाएं। अब एक छोटी कटोरी में कॉर्न फ्लोर को आधे कप पानी के साथ मिलाकर घोल तैयार कर लें। जब सब्जियां पक जाएं, तो कॉर्न फ्लोर का घोल सूप में धीरे-धीरे डालें और लगातार चलाते रहें ताकि गांठ न पड़ें। अब दो से तीन मिनट तक और उबालें जब तक वह थोड़ा गाढ़ा न हो जाए। अब इसमें काली मिर्च पाउडर, सिरका, और सोया सॉस डालकर अच्छे से मिलाएं। गैस बंद कर दें। बारीक कटे हुए हरे प्याज से गार्निश करें और गरमागरम परोसें।

3 कारणों से होगा लिवर खराब

आजकल लोगों की लाइफस्टाइल, खानपान इतनी खराब हो गई है कि इसका सीधा असर लिवर पर भी पड़ रहा है. लिवर का ख्याल न रखें तो कई तरह की गंभीर बीमारियां जैसे लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस, फैटी लिवर आदि हो सकती हैं. इनमें से फैटी लिवर से ग्रस्त लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है. फैटी लिवर भी लिवर की एक गंभीर समस्या है, जिसके लक्षणों को जल्दी ना पहचाना जाए और इलाज ना शुरू किया जाए तो खतरनाक हो सकता है. चलिए जानते हैं क्या है फैटी लिवर, इससे बचाव और उपचार के तरीके.

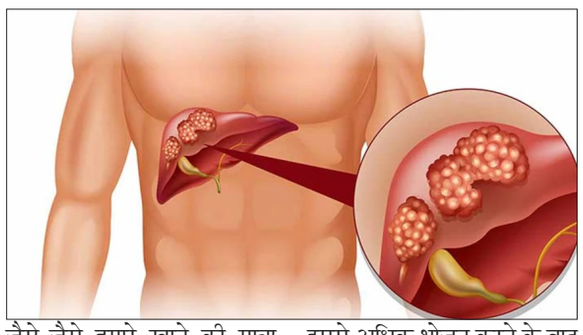

क्या है फैटी लिवर की समस्या

दिल्ली एम्स के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एंटरोलॉजी के एचओडी डॉ. प्रमोद गर्ग कहते हैं कि फैटी लिवर का मतलब है लिवर में सूजन आना. इसके कई कारण हो सकते हैं. ये समस्या लगातार लोगों में बढ़ रही है. WHO का कहना है कि इस समस्या को साल 2030 तक खत्म किया जाना चाहिए. हम लोग भी लोगों को इस बीमारी के प्रति लगातार जागरूक कर रहे हैं.

फैटी लिवर के कारण

फैटी लिवर के तीन मुख्य कारण हो सकते हैं. पहला वायरस का इंफेक्शन, जिससे लिवर में सूजन आती है. दूसरा कारण है, शराब का अति सेवन, जो लिवर में फैट बढ़ाता है. इससे मेटाबॉलिज्म ठीक से काम नहीं करता. तीसरा कारण है लिवर में मोटापा बढ़ना यानी अधिक वसा और चर्बी आना. इसका कारण है मोटापा, ओबेसिटी. जैसे-जैसे हमारे खाने की मात्रा अधिक होती है, खाने में फैट और शुगर बढ़ता है. इससे शरीर और लिवर में चर्बी बढ़ती है. अधिक फैट और कैलोरी से भरपूर भोजन करने से मोटापा बढ़ता है. इससे फिजिकल एक्टिविटी कम हो जाती है. आज के समय में अधिकतर लोग अपना काम खुद से नहीं करते हैं. खाने के बाद बैठे रहते हैं. शारीरिक सक्रियता कम हो गई है. इससे अधिक भोजन करने के बाद मोटापा बढ़ता है. यही मोटापा लिवर में चला जाता है.

शराब से हो सकता है लिवर कैंसर

डॉक्टर गर्ग कहते हैं कि आज के समय में शराब के अधिक सेवन से लिवर कैंसर होने का भी खतरा है. ये उन लोगों में ज्यादा है, जिनके लिवर में सिरोसिस हो जाता है. करीब 10 से 20 सालों से लिवर डैमेज है तो उसमें लिवर कैंसर का खतरा ज्यादा है. इसका कारण तब रहता है, जब आपका लिवर बहुत ज्यादा खराब हो जाता है. शराब के अधिक सेवन से लिवर में फैट बढ़ सकता है. सूजन आ जाती है, जिससे सिरोसिस भी हो सकता है.

अनहेल्दी डाइट भी फैटी लिवर का कारण

आज के समय में फैटी लिवर का एक और कारण अनहेल्दी डाइट भी है. आज लोगों के खानपान में शुगर, ऑयल अधिक शामिल होता है. खाने के बाद कोई एक्टिविटी नहीं करते हैं. दिनभर बैठे रहते हैं. इससे भोजन पच नहीं पाता, जो बाद में लिवर में जाकर फैटी लिवर की समस्या शुरू कर देता है. फैटी लिवर से बचाव के लिए बैलेंस डाइट बेहद आवश्यक है. डाइट में 40-50 ग्राम प्रोटीन, 20-30 — ग्राम फैट हो. इसके साथ ही फल और सब्जियां भी खाएं. लिवर के आसपास दर्द महसूस हो तो डॉक्टर से संपर्क जरूर करें.

आज का राशिफल

मेष : वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

वृषभ : भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

मिथुन : विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें।

कर्क : आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है।

सिंह : आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। घर में सुख-शांति रहेगी। उत्साह बना रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

कन्या : दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में सहकर्मियों का साथ रहेगा। थकान रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा।

तुला : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक : व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च आएंगे।

धनु : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। भागदौड़ रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें।

मकर : नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ : आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मीन : आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

शरीर का तेजी घटता वजन भी खतरनाक!

शरीर का वजन घटाने के लिए लोग जिम, कड़ी मेहनत और डाइट पर ध्यान देने लगते हैं. कई लोग तो जल्दी वजन घटाने के लिए भोजन करना ही छोड़ देते हैं. ऐसा करने से बेशक आपका वजन कम हो जाए, लेकिन कई बीमारियां आपके शरीर को अपना शिकार बना सकती हैं. कुछ लोग ऐसे भी हैं जो हैवी डाइट के जरिए महीनेभर में ज्यादा से ज्यादा वजन घटा लेते हैं. लेकिन, आपको बता दें कि, ये यह सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है. ऐसे में शरीर का नेचुरली धीरे-धीरे वजन घटना अधिक फायदेमंद है. अब सवाल है कि तेजी से वजन का घटना कितना खतरनाक? 1 महीने में कितना वजन घटाना सही रहेगा? तेजी से वजन घटने के नुकसान क्या हैं? इन सभी सवालों के बारे में बता रही हैं कैलाश दीपक हॉस्पिटल दिल्ली की सीनियर डाइटिशियन ऋचा शर्मा-

1 महीने में कितना वजन घटाना होता सही

तेजी से वजन घटाना कितना खतरनाक

डाइटिशियन बताती हैं कि, इसमें कोई शक नहीं कि, शरीर का बढ़ता वजन सबसे बड़ा सिरदर्द बन चुका है. लेकिन, इसका ये भी मतलब नहीं है कि जल्दी वजन घटाने के लिए खाना-पीना ही छोड़ दिया जाए. आपको बता दें कि, तेजी से वजन का घटना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. धीरे-धीरे वजन कम करने से वह हमेशा के

लिए कम हो सकता है. इससे एक बार वजन कम होने पर उसे कंट्रोल करना आसान होता है. इससे वजन बढ़ने की आशंका भी कम होती है.

1 महीने में कितना तक वजन घटना सही होगा? इस सवाल पर ऋचा शर्मा कहती हैं कि, एक हफ्ते में करीब 0.5 किलो वजन घटाना सही होता है. इसका मतलब एक महीने में करीब 2 किलो तक वजन कम कर सकते हैं. ऐसा करने के लिए नियमित तौर पर सही खानपान और वर्कआउट करना चाहिए. एक महीने में 1.5 से 2.5 किलो तक वजन कम करना सुरक्षित होता है.

महीनेभर में ज्यादा वजन घटने के नुकसान

अगर एक महीने में 2 किलो से ज्यादा वजन कम कर रहे हैं तो इसका मतलब आप अपने शरीर के आंतरिक अंगों पर दबाव डाल रहे हैं. इसमें सबसे ज्यादा असर किडनी पर पड़ता है, जो सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है. वजन कम करने की कोशिश करने वाले अधिकरत लोग हाई प्रोटीन डाइट लेते हैं, जिससे उनकी किडनी पर दबाव पड़ता है.

इससे किडनी की सेहत बिगड़ने लगती है.एक महीने में ज्यादा वजन कम करने से शरीर में थकावट, कमजोरी, सुस्ती और मिचली जैसी समस्याएं हो सकती हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि हेल्दी तरीके से वजन कम करने से शरीर का एनर्जी लेवल मेंटेन रहता है और आप अंदर से स्वस्थ महसूस करते हैं. इस तरह का वेटलॉस शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता है.

लौंग के रस से दूर होती है दांत की हर बीमारी...

बेतिया में कार्यरत पतंजलि आयुर्वेदाचार्य भुवनेश पांडे बताते हैं कि आयुर्वेद में कैविटी के समाधान के लिए लौंग को बेहद उत्तम बताया गया है. लेकिन यह उस स्थिति में सबसे अधिक कारगर होता है, जब कैविटी की शुरुआत हो रही हो. अगर आपकी दांतों में सड़न, छेद और सेंसिटिविटी की समस्या दिखने लगी है, तो लौंग का इस्तेमाल तुरंत शुरू कर देना चाहिए.

लौंग का इस्तेमाल आप तीन तरीकों से कर सकते हैं. पहला, पिसी हुई लौंग को थोड़े से पानी या नारियल तेल के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें और उसे कैविटी वाली जगह पर लगाएं. कुछ देर तक छोड़ने के बाद साफ पानी से कुल्ला कर लें. आप महसूस करेंगे कि पहली बार के ही प्रयोग से दांत का दर्द गायब हो जाएगा और कुछ दिनों के इस्तेमाल से सड़न का फैलना भी बंद हो जाएगा.

भुवनेश बताते हैं कि किसी कारण से अगर आप सबूत लौंग का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, तो लौंग के तेल का यूज कर सकते हैं. कैविटी वाली जगह पर एक कॉटन बॉल या रुई के छोटे टुकड़े को लौंग के तेल में डुबोएं और फिर उसे प्रभावित जगह पर रखें. कुछ मिनटों तक रखे रहने से दर्द, बदबू और सूजन जैसी समस्या से तुरंत राहत मिलेगी. हां, अगर आप इस काम को हर दिन करते हैं, तो इससे सड़न का फैलाव भी लगभग खत्म हो जाएगा.

ध्यान रहे कि गलत टूथपेस्ट और बहुत देर तक दांतों को घिसने से भी उनकी मजबूती प्रभावित होती है, जिससे सेंसिटिविटी और मसूड़ों में सूजन जैसी समस्या पैदा होने लगती है. इसलिए चिकित्सक की सलाह से किसी अच्छे और आयुर्वेदिक टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें, साथ ही लौंग और नारियल तेल के प्रयोग को भी शुरू करें. इससे आपकी ओरल हेल्थ सुधरेगी और दांतों की तकलीफें भी नहीं होंगी.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पुलिस के धमकाने से आहत देवर ने की खुदकुशी, भाभी ने दर्ज कराया था केस

बदायूं. यूपी के बदायूं में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने देवर पर मारपीट और गाली-गलौज का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद पुलिस युवक को समझाने पहुंची, लेकिन कथित तौर पर पुलिस के रवैये से आहत होकर युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मामला बिनावर थाना क्षेत्र के करतौली हाल्ट के पास का है। यहां थाना क्षेत्र के गांव तकीपुर के रहने वाला राजमिस्त्री 28 साल का अभिलाख ने पारिवारिक कलह की वजह से ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे अभिलाख के भाई ने बताया कि उसकी बड़ी भाभी से उसके भाई का विवाद हो गया था। जिसके बाद भाभी ने बिनावर थाने में मारपीट व गालीगलौज की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस भी उसे धमकाने पहुंची, जिससे आहत होकर उसने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली।

कांवड़ियों की लात-घूसों से पिटाई, 7 गिरफ्तार

वाराणसी. यूपी की धार्मिक नगरी काशी यानि वाराणसी में सोमवार को माहौल गर्म हो गया। जब बोल बम बोलने पर दो कावड़ियों की पिटाई कर दी गई। कांवड़ियों के कपड़े भी फाड़ दिए गए। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल होने के बाद अन्य कांवड़िये और ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सड़क पर जाम लगा दिया। ये मामला राजातालाब क्षेत्र के पंचक्रोशी मार्ग का है। सावन के तीसरे सोमवार पर भारी संख्या में जंसा, रामेश्वर और हरसोस के ग्रामीण अदलपुरा शीतला धाम से कांवर लेकर निकले थे। इसमें राजातालाब के बैढ़न गांव का पलटू यादव और जंसा का उसका दोस्त शुभम यादव भी थे। उनका आरोप है कि राजातालाब रेलवे फाटक पर मुंह बांधकर खड़े 10 से 12 लोग ने उन्हें रोका और बोल बम बोलने से मना किया। विरोध पर गालियां देते हुए लात-घूसों के साथ डंडे और धारदार हथियार से पीटने लगे। इसमें शुभम का सिर फट गया और पलटू को चोटें आईं।

बेटी पैदा होने पर पत्नी को गला दबाकर मार डाला

बिजनौर. कोख से बेटी को जन्म देना एक मां के लिए अभिशाप बन गया। बेटी को जन्म देने से घृणित एक पति ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं हत्या के राज दफन करने को आरोपी ने पत्नी का चोरी छुपे अंतिम संस्कार भी कर दिया। वारदात की जानकारी होने पर मृतका के मायके वालों ने धामपुर कोतवाली पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति व मृतका की सास को गिरफ्तार कर लिया। नजीबाबाद निवासी माधोराम पुत्र मुसद्दी सिंह ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि अपनी बेटी रूबी (25 वर्ष) की शादी फरवरी 2024 में धामपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव गजरौला निवासी मुकुल चौहान से की थी। उन्हें शादी के बाद पता चला कि दामाद मुकुल शराब का आदी है और शराब पीकर आए दिन बेटी से मारपीट करता है। मुकुल ने कई बार बेटी को लड़ झगड़ कर मायके भेज दिया।

लोकसभा में शाह बोले- पहलगाम हमले के 3 आतंकी ढेर

■ इनके नाम सुलेमान, अफगान और जिब्रान

नई दिल्ली. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 1 घंटा 14 मिनट बोले। उन्होंने भाषण की शुरुआत में पहलगाम हमले के आतंकियों के मारे जाने की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जिन आतंकियों ने बायसरन घाटी में हमारे 26 पर्यटकों को मारा, उन्हें 28 जुलाई को ऑपरेशन महादेव में ढेर कर दिया गया। इन आतंकियों के नाम सुलेमान, अफगान और जिब्रान हैं।

ये तीनों आतंकी पहलगाम हमले में शामिल थे, उन्होंने सदन में इसके सबूत भी दिए। शाह ने बताया कि आतंकियों की मदद करने वाले 2 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

शाह के स्पीच की 7 बड़ी बातें,

शिमला में समझौता हुआ, PoK मांगना ही भूल गए: 'इंदिराजी ने पाकिस्तान के 2 टुकड़े किए। यह बहुत बड़ी विजयी थी और हम सब भी इस पर गर्व करेंगे, लेकिन युद्ध की चकाचौंध में हुआ क्या। शिमला में समझौता हुआ, पीओके मांगना ही भूल गए। अगर उस वक्त पीओके मांग लेते, तो ना रहता बांस न बजती बांसुरी। पीओके तो मांगना ही भूल गए, 15 हजार वर्ग किमी की जीती जमीन भी दे दी।'

पाक के 195 अफसरों को छोड़ दिया: 'पाकिस्तान के 195 अधिकारियों पर युद्ध अपराध का मुकदमा चलना था, भुट्टो उन्हें इंदिरा जी के सामने से छुड़ाकर ले गया। जनरल मानेकशॉ ने कहा कि भुट्टो ने भारत के नेतृत्व को मूर्ख बनाया।'

अक्साई चिन का हिस्सा चीन को दे दिया: 'मैं आज पूछना चाहता हूं, 62 के युद्ध में क्या हुआ। 30 हजार वर्ग किलोमीटर अक्साई

चिन का हिस्सा चीन को दे दिया गया। उस पर सदन में नेहरू जी ने कहा कि वहां घास का एक तिनका नहीं उगता, उस जगह का क्या करेंगे। उनका सिर मेरे जैसा था। एक सदस्य ने कहा कि आपके सिर पर भी एक भी बाल नहीं है, उसे चीन भेज दें क्या।'

बाटला हाउस एनकाउंटर पर सोनिया गांधी पर रो पड़ीं: 'मैंने एक दिन सलमान खुर्शीद के बयान को सुना कि उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी बाटला हाउस एनकाउंटर पर रो पड़ीं। अरे शहीद मोहनलाल के लिए रोना था। आप कहेंगे तो कल सलमान खुर्शीद के उस बयान को संसद में दिखा देंगे।'

कश्मीर में आतंकी घटनाएं आधी रह गईं: 'मैं यूपीए सरकार और हमारी सरकार के कामकाज का लेखाजोखा रखना चाहता हूं। यूपीए सरकार में कश्मीर में जो आतंकी घटनाएं हुई, उनमें मोदी सरकार में कमी हुई। सुरक्षाबलों की मौत यूपीए में 1060 थी और हमारे समय में आधी रह गई है।

अनुच्छेद 370 हटते ही आतंकियों को महिमा मंडन खत्म हुआ: 'अनुच्छेद 370 ने कश्मीर में आतंकवादी इकोसिस्टम को तबाह कर दिया है। एक जमाना था आतंकियों के जनाजे निकलते थे, अब जो मारा जाता है, उसे वहीं दफना दिया जाता है। आतंकियों का महिमामंडन करने की इजाजत मोदी सरकार में नहीं है। आतंकियों के समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

कांग्रेस ने पोटा खत्म किया: 2002 में अटल जी की सरकार थी और आतंकवाद को समाप्त करने के लिए एनडीए सरकार पोटा कानून लेकर आई। पोटा कानून का विरोध किसने किया, कांग्रेस पार्टी ने किया। हमें मजबूरन संयुक्त सत्र बुलाना पड़ा, तब पोटा कानून पारित किया गया। आज भी मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं आप किसे बचाना चाहते थे। पोटा को रोककर आप अपना उल्लू सीधा करके आतंकियों को बचाना चाहते थे।

'आतंकवादी पर्यटकों को नहीं मारते...'

■ TMC विधायक के बयान पर विवाद

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (TMC) की विधायक साबित्री मित्रा ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले पर यह टिप्पणी करके राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया कि आतंकवादी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाते हैं। मुस्लिम बहुल मालदा जिले के मानिकचक से विधायक मित्रा ने रविवार को एक रैली को संबोधित करते हुए कथित तौर पर यह टिप्पणी की।

उन्होंने रैली में कथित रूप से कहा, 'आतंकवादी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाते हैं। आतंकवादियों की एक बड़ी योजना होती है और वे सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हैं। फिर पहलगाम में इतने सारे पर्यटकों को किसने मारा? उनकी पहचान क्या है?' इस रैली का एक वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ।

हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' ने इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है। भाजपा ने तुरंत इस टिप्पणी पर पलटवार करते हुए मित्रा पर आतंकवादियों का 'बचाव' करने का आरोप लगाया।

भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर लिखा, 'उन्होंने दावा किया कि आतंकवादी कभी पर्यटकों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं और वे हमेशा पर्यटकों का सम्मान करते हैं। यह अपमानजनक औचित्य पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सामने आया है। पीड़ितों के साथ खड़े होने के बजाय, वह आतंकवाद पर पर्दा डालने में व्यस्त हैं।'

उन्होंने पूछा, 'क्या पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अब यही आधिकारिक रुख है - कि जब निर्दोष भारतीय मारे जा रहे हों तो जिहादियों के प्रति सहानुभूति रखो?' टिप्पणी को शर्मनाक और राष्ट्र-विरोधी बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत आतंकवादियों के पक्ष में बोलने वालों को कभी माफ नहीं करेगा। आलोचनाओं से घिरने पर मित्रा ने दावा किया कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया।

कोई गड़बड़ी निकली तो हम हस्तक्षेप करेंगे

■ SIR पर सुप्रीम कोर्ट में 12 अगस्त को होगी सुनवाई

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिहार में निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करने के लिए समयसीमा तय करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सुनवाई 12 और 13 अगस्त को होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से आठ अगस्त तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा। कोर्ट ने निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को चेतावनी दी है कि यदि इस प्रक्रिया में कोई भी अनियमितता या गड़बड़ी पाई गई, तो वह हस्तक्षेप करने से नहीं हिचकेगा।

इससे पहले निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष ग्रहण पुनरीक्षण यानी SIR के बाद मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित कर दिया गया है और इसकी प्रति सभी राजनीतिक दलों को माहिया कर दी गई है। निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया मसौदा मतदाता सूची को वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने एक बार फिर आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा एक अगस्त को प्रकाशित की जाने वाली मसौदा सूची से लोगों को बाहर रखा जा रहा है जिससे वे मतदान का अपना महत्वपूर्ण अधिकार खो देंगे। पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसे कानून का पालन करना होगा और अगर कोई गड़बड़ी हो रही है, तो याचिकाकर्ता इसे अदालत के संज्ञान में ला सकते हैं। पीठ ने सिब्बल और भूषण से कहा, ''आप उन 15 लोगों को सामने लाएं जिनके बारे में उनका दावा है कि वे मृत हैं, लेकिन वे जीवित हैं, हम इससे निपटेंगे।'' पीठ ने लिखित दलीलें दाखिल करने के लिए याचिकाकर्ताओं और निर्वाचन आयोग की ओर से नोडल अधिकारी नियुक्त किए।

ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तानी गोलाबारी में मारे गए माता-पिता...

अब 22 बच्चों को 'गोद' लेंगे राहुल गांधी

पुंछ. विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले करीब दो दर्जन बच्चों को 'गोद' लेने का फैसला किया है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की ओर से हुई गोलाबारी में इन बच्चों ने अपने परिजनों को खो दिया था।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद करा ने बताया कि राहुल गांधी पुंछ जिले के 22 बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्च उठाएंगे। ये वे बच्चे हैं जिन्होंने या तो अपने दोनों माता-पिता या परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य को खो दिया है। करा ने बताया, 'पहली किस्त की सहायता राशि बुधवार को जारी की जाएगी ताकि इन बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। यह सहायता तब तक जारी रहेगी जब तक बच्चे स्नातक नहीं कर लेते।'

राहुल गांधी ने मई में पुंछ का दौरा किया था, जहां उन्होंने

स्थानीय कांग्रेस नेताओं से इन प्रभावित बच्चों की सूची तैयार करने को कहा था। इसके बाद एक सर्वे कराया गया और सरकारी रिकॉर्ड की पुष्टि के बाद अंतिम सूची बनाई गई।

तुम खूब मन लगाकर पढ़ाई करो- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने पुंछ स्थित क्राइस्ट पब्लिक स्कूल का भी दौरा किया, जहां पढ़ने वाले 12 वर्षीय जुड़वां बच्चे- उरबा फातिमा और जैन अली भी हमले का शिकार हुए थे। बच्चों से बात करते हुए राहुल ने कहा, 'मैं तुम पर बहुत गर्व महसूस करता हूं। तुम्हें अपने छोटे दोस्तों की बहुत याद आती होगी, मुझे इसका दुख है। अब तुम्हें थोड़ा डर भी लगता होगा, लेकिन घबराओ मत, सब कुछ फिर से सामान्य हो जाएगा। तुम्हारा जवाब इस घटना को लेकर यह होना चाहिए कि तुम खूब मन लगाकर पढ़ाई करो, दिल खोलकर खेलो और स्कूल में बहुत सारे दोस्त बनाओ।'

नेतन्याहू के दावों के उलट गाजा की तस्वीरों ने इजरायलियों को झकझोरा

तेल अवीव/गाजा. करीब 22 महीने से चल रहे युद्ध ने गाजा को पूरी तरह से बदल दिया है। यूएन समेत दुनिया कई एजेंसियों ने गाजा में भुखमरी को लेकर चिंता जताई है। गाजा की तस्वीरों ने दुनिया ही नहीं इजरायलियों को झकझोर दिया है। इजरायल के एक बड़े टीवी चैनल पर एक कार्यक्रम के बाद जब एंकर ने कहा, 'शायद अब मान लेना चाहिए कि यह पीआर की नहीं, बल्कि नैतिकता की विफलता है', तो यह बात लोगों को झकझोर गई। इजरायलियों के बीच यह बैचेनी तब देखने को मिली है, जब हाल ही में इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया था गाजा में चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने भुखमरी जैसी रिपोर्टों को भी खारिज कर दिया है। यह टिप्पणी कुछ वैसी ही मानी जा रही है जैसे 1968 में अमेरिका के मशहूर टीवी एंकर वॉल्टर क्रॉनकाइट ने वियतनाम युद्ध को 'अविजेय' कहकर अमेरिकी सोच बदल दी थी। इज़रायल में भी अब कई लोग मान रहे हैं कि इस युद्ध ने जितना नुकसान पहुंचाया है, उतना फायदा नहीं हुआ।

बता दें कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास के आतंकियों ने इज़रायल पर हमला किया था। इस हमले में 1200 इज़रायली नागरिक मारे गए और 250 लोग बंधक बना लिए गए। इसके बाद इज़रायल ने गाज़ा पर जबरदस्त सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी। अब तक 60,000 से ज्यादा फिलीस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

संसद में न बोलने देने पर छलका कांग्रेस नेताओं का दर्द

नई दिल्ली. संसद के मॉनसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस चल रही है। हालांकि लोकसभा में बहस के दौरान कांग्रेस ने अपने दो प्रमुख सांसदों को वक्ताओं की लिस्ट में नहीं रखा। इसमें से एक नाम शशि थरूर तो दूसरा नाम मनीष तिवारी का है। अब इन सांसदों ने कुछ ऐसा किया है, जिससे अनुमान लग रहा है कि उनका दर्द छलक रहा है। शशि थरूर ने तो सोमवार को मीडिया के सामने ही कह दिया कि वह मौन व्रत पर हैं। हालांकि उनके कहने का लहजा तंजिया ज्यादा था। वहीं, एक अन्य सांसद मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया पर अपनी बात लिखी है।

मनीष तिवारी ने क्या लिखा

एक्स पर लिखी इस पोस्ट में मनीष तिवारी ने फिल्म पूरब और पश्चिम का गीत, 'है प्रीत जहां की रीत सदा, मैं गीत वहीं के गाता हूं। भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं' लिखा है। इस पोस्ट में उन्होंने अपनी एक तस्वीर तो लगाई ही है। साथ ही एक न्यूज का स्क्रीनशॉट भी लगाया है, जिसमें सवाल पूछा गया है कि कांग्रेस शशि थरूर और मनीष तिवारी को संसद में बोलने क्यों नहीं दिया? क्या इन दोनों ने सरकार के पक्ष में बोलने की कीमत चुकाई। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेश भेजे गए सरकारी डेलीगेशन में शशि थरूर और मनीष तिवारी दोनों शामिल थे। इसके अलावा, फतेहगढ़ साहिब से सांसद अमर सिंह भी सरकारी डेलीगेशन का हिस्सा थे और वह भी कांग्रेस की लिस्ट में नहीं थे।

कांग्रेस नेतृत्व असहज

इनके अलावा कांग्रेस नेता आनंद शर्मा और सलमान खुर्शीद भी भारतीय डेलीगेशन में शामिल थे। लेकिन यह दोनों फिलहाल सांसद नहीं हैं। गौरतलब है कि

महाराष्ट्र की दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता

■ वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला

■ भारत की ही कोनेरू हम्पी को फाइनल हराया

19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस का FIDE महिला वर्ल्ड कप जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में भारत की ही कोनेरू हम्पी को टाईब्रेक राउंड में हराकर खिताब जीता। वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ वे भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। टूर्नामेंट में दिव्या ने कई टॉप रैंक प्लेयर्स को हराया और फाइनल में जगह बनाई। हम्पी के खिलाफ फाइनल में दिव्या ने दोनों प्रमुख मुकाबले ड्रॉ खेले। जिसके बाद सोमवार को टाईब्रेक राउंड हुआ, जिसमें दिव्या ने 2.5-1.5 के स्कोर से बाजी मारी।

मैच के बाद हम्पी ने कहा कि 12वीं चाल के बाद उन्हें समझ नहीं आया कि अब क्या करना है। हालांकि, 54वीं चाल में दिव्या ने जरूरी बढ़त हासिल कर ली। जिसके बाद हम्पी ने रिजाइन कर दिया और दिव्या को जीत मिली।

42 लाख मिलेंगे

FIDE विमेंस वर्ल्ड कप जीतने पर दिव्या को लगभग 42 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं वर्ल्ड कप (ओपन सेक्शन) के विजेता को लगभग 91 लाख मिलते हैं।

विमेंस कैंडिडेट्स के लिए क्वालिफाई किया

दिव्या ने वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ अगले साल के विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। वे इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली दूसरी ही भारतीय बनीं। कोनेरू हम्पी ने भी फाइनल में जगह बनाने के साथ कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया।

टाई-ब्रेक राउंड का फॉर्मेट

2 रैपिड गेम- हर गेम 10 मिनट का होता है। 10 मिनट के 2 गेम में अगर स्कोर बराबर रहा, तो 2 और फास्ट गेम। इस राउंड में हर गेम 5 मिनट का होता है। 5-5 मिनट के दोनों गेम भी बराबरी पर रहे, तो 3-3 मिनट के 2 गेम होते हैं। 3-3 मिनट में गेम ड्रॉ रहा तो 3+2 मिनट के ब्लिट्ज (तेज) गेम्स तब तक चलते रहेंगे, जब तक विजेता का फैसला नहीं हो जाता।

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद रो पड़ीं दिव्या

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद दिव्या देशमुख ने मां को गले लगाया। मां से मिलते ही वे इमोशनल हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक आए।

1962 के बाद भारत में एक इंच भी नहीं घुस पाया चीन

■ अखिलेश के सवालों पर किरण रिजिजू की दो टूक

नई दिल्ली. संसद के मॉनसून सत्र की कार्यवाही के दौरान मंगलवार को एक बार फिर जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लगातार दूसरे दिन चर्चा हुई, जहां कई सांसदों ने चर्चा में हिस्सा लिया। इस दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने अरुणाचल प्रदेश में चीन के दखल को लेकर सरकार पर निशाना साधा। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने लोकसभा में कहा है कि 1962 के बाद से चीन, अरुणाचल में न तो एक इंच भी अंदर घुसा है और न एक इंच जमीन पर कब्जा किया है। इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चर्चा में हिस्सा लेते हुए अरुणाचल के कुछ क्षेत्रों में चीन के कथित अतिक्रमण का हवाला देते हुए सवाल कहा था, ''जिस समय भाजपा केंद्र की सत्ता में आई, उस समय क्षेत्रफल क्या था और आज क्या है?''

अखिलेश ने निशाना साधते हुए कहा कि पैंगोंग झील, गलवान घाटी के बारे में सरकार के पास जवाब है या नहीं? इस पर अरुणाचल प्रदेश से आने वाले भाजपा सांसद रिजिजू ने कहा कि अखिलेश यादव ने अपने भाषण के दौरान कहा कि जिस प्रदेश से मैं आता हूं, वहां कितने अंदर तक चीन घुसकर कब्जा करके बैठा है।

आम सूचना

मैं श्री प्रीतम टोपणदास आहुजा सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप, रुम नं. 6, बैरक नं. 241, बेवस चौक, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 16बीआय015832100) उक्त प्रॉपर्टी श्री मनोज कलूमल पंजवाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 6.4.2024 सी.नं. 221 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री प्रीतम टोपणदास आहुजा

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर
महिला व बालकल्याण विभाग
जाहिर सुचना

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रातील महिला/मुलींकरीता
'जनरल ड्युटी असिस्टंट (GDA) प्रशिक्षण'

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रातील नागरीकांना कळविण्यात येते की, उल्हासनगर महानगपालिका क्षेत्रातील महिला/मुलींना स्वंयरोजगारव्दारे आर्थिक आणि सामाजिक सुरक्षितता मिळणेच्या उद्देशाने सन 2025-2026 च्या आर्थिक वर्षामध्ये 'जनरल ड्युटी असिस्टंट (GDA) प्रशिक्षण' हि योजना उल्हासनगर महानगपालिकेच्या महिला व बालकल्याण विभागामार्फत राबविण्यात येत आहे.

उल्हासनगर महानगपालिकेच्या हद्दीतील रहिवाशी असणा-या गरजु दारीद्रय रेषेखालील / आर्थीक दृष्ट्या दुर्बल. महिला/मुलींना सदर योजनेचा लाभ घेण्यासाठी विहित नमुन्यात अर्ज दिनांक 29/7/2025 ते दिनांक 6/8/2025 पर्यंत महिला व बालकल्याण विभाग, मुख्य इमारत, तिसरा मजला, उल्हासनगर- 3 येथे कार्यालयीन वेळेत अर्ज उपलब्ध करण्यात आलेले आहेत. तसेच उल्हासनगर महानगपालिकेच्या संकेतस्थळावर देखिल प्रसिध्द करण्यात आले आहे.

सदरचे योजनेचा अर्ज स्विकारण्याची शेवटची तारीख दिनांक 6/8/2025 असणार आहे. तसेच सदरचा योजनेला खालील नमुद अटी व शर्तीस पात्र असलेली विद्यार्थीनी पात्र असेल.

1) लाभार्थी हा उल्हासनगर महानगरपालिका कार्यक्षेत्रातील वास्तव्य करीत असल्याबाबतचा पुरावा म्हणून रेशनकार्ड, आधारकार्ड, निवडणूक ओळखपत्र, मतदार यादीतील नोंदीचा पुरावा किंवा अन्य असा योग्य पुरावा सादर करावा लागेल.
2) लाभार्थी दारीद्रय रेषेखालील/अर्थिक दृष्ट्या दुर्बल, दिव्यांग, विधवा यांना प्रथम प्राधान्य तसेच कुटूबांचे वार्षिक उत्पन्न रुपये 2,00,000/- पेक्षा जास्त नसावे. (पिवळे / केशरी रेशन कार्ड धारकाला प्राधान्य देण्यात येईल)
3) किमान 16 वर्षे व जास्तीत जास्त 40 वर्षे या वयोगटामधील मुली/महिला अर्ज करण्यास पात्र.
4) अर्जदाराने पासपोर्ट साईज आकाराचे दोन फोटो देणे (एक अर्जाला लावून देणे व एक सोबत जोडणे.)
5) एका कुटूंबातील एकाच लाभार्थ्याला या योजनेचा लाभ घेता येईल.
6) लाभार्थीस प्रशिक्षणाकरीता किमान इयत्ता 10 वी ते पदवीधर शैक्षणिक पात्रता धारण केलेली असावी.
7) शैक्षणिक प्रमाणपत्र सादर करणे बंधनकारक राहिल.
8) यापुर्वी लाभार्थ्याने या योजनेचा लाभ घेतला नसल्याचा स्वघोषित प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक आहे.

मा. प्रशासक तथा आयुक्त यांच्या मान्यतेने.
Ple. visit our official web-site
www.umc.gov.in

सही/-
सहाय्यक आयुक्त
महिला व बालकल्याण विभाग
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उमपा/पीआरओ/210/2025
दिनाक :- 29/07/2025

संक्षेप...

12 चोरी के रिक्शा समेत दो गिरफ्तार

नवी मुंबई. सीबीडी बेलापुर पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया है जो नवी मुंबई से रिक्शा चुराकर सीधे जालना ज़िले में बेच रहे थे। इन चोरों ने अलग-अलग इलाकों से 12 रिक्शा चुराए थे और पुलिस ने उन्हें ज़ब्त कर लिया है। 28 मई को सीबीडी सेक्टर-11 से एक रिक्शा चोरी हुआ था। इस संबंध में मामला दर्ज कर सीबीडी पुलिस ने जाँच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाके के लगभग 60 से 65 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर दो संदिग्धों का पता चला। इसके बाद पुलिस ने कुशलतापूर्वक जाँच की और जालना ज़िले के परतुर से नज़ीमुद्दीन काज़ी (43) को गिरफ्तार कर लिया।

सरकार की आलोचना की तो होगा एक्शन

महाराष्ट्र में सरकारी कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया यूज को लेकर नया फरमान

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने अपने कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं. सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी किए गए गवर्नमेंट रेजोल्यूशन (GR) के तहत अब अगर कोई सरकारी कर्मचारी सरकार की आलोचना करता है या नीतियों पर नकारात्मक टिप्पणी करता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है.

ये कदम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, X, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और यूट्यूब के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उठाया गया है. सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है सोशल मीडिया एक प्रभावी संचार माध्यम जरूर है, लेकिन इसका दुरुपयोग

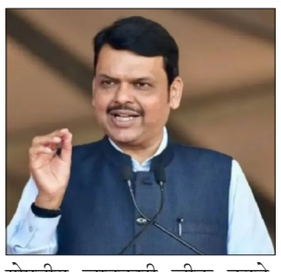

गोपनीय जानकारी लीक करने, गलत सूचना फैलाने और राजनीतिक टिप्पणियां पोस्ट करने के लिए तेज़ी से हो रहा है, जो मौजूदा सरकारी सेवा नियमों का उल्लंघन है.

नए नियमों के मुताबिक सोशल मीडिया के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. अगर कोई सरकारी कर्मचारी सेवा नियमों का उल्लंघन करता है या सरकारी नीतियों तथा किसी राजनीतिक घटना या व्यक्ति के बारे में सोशल मीडिया पर नकारात्मक टिप्पणी करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है. ऐसे मामलों में महाराष्ट्र सिविल सेवा (अनुशासन और अपील) नियम, 1979 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी. ये नियम सभी सरकारी कर्मचारियों पर लागू होते हैं, जिनमें प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मचारी, संविदा कर्मचारी, स्थानीय शासी निकाय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकार से संबद्ध संस्थानों के कर्मचारी शामिल हैं.

क्या हैं नए दिशा-निर्देश?

- **पर्सनल और ऑफिशियल अकाउंट्स अलग-अलग रखें :** कर्मचारियों को निजी और सरकारी उपयोग के लिए अलग-अलग सोशल मीडिया अकाउंट रखने होंगे.
- **प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म का उपयोग वर्जित :** किसी भी प्रतिबंधित वेबसाइट या एप्लिकेशन का इस्तेमाल पूरी तरह से निषिद्ध है.
- **सिर्फ अथॉराइज्ड अधिकारी ही जानकारी साझा करेंगे :** सरकारी योजनाओं की जानकारी सिर्फ पूर्व स्वीकृति के बाद अधिकृत कर्मियों द्वारा ही साझा की जा सकेगी.
- **सेल्फ प्रमोशन नहीं चलेगा :** योजनाओं की सफलता पर आधारित पोस्ट साझा किए जा सकते हैं, लेकिन सेल्फ प्रमोशन से बचने की हिदायत दी गई है.
- **सरकारी प्रतीकों का उपयोग वर्जित :** व्यक्तिगत प्रोफ़ाइल फ़ोटो को छोड़कर किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट में सरकारी लोगो, नाम, पता, वाहन या इमारत जैसी संपत्तियों का प्रयोग नहीं किया जा सकेगा.
- **आपत्तिजनक सामग्री पर रोक :** घृणास्पद, मानहानिकारक, आपत्तिजनक या भेदभावपूर्ण कंटेंट साझा करना सख्त मना है.
- **गोपनीय दस्तावेज़ की सुरक्षा :** बिना पूर्व अनुमति के किसी भी सरकारी दस्तावेज़ को अपलोड या साझा नहीं किया जा सकता.
- **अकाउंट ट्रांसफर :** ट्रांसफर होने की स्थिति में ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट को विधिवत अगली नियुक्ति को सौंपना आवश्यक है.

कल्याण में पानी की किल्लत के खिलाफ हुआ आंदोलन

कल्याण. कल्याण पूर्व के खडेगोलवली, कैलासनगर और आसपास के इलाकों में पिछले कई महीनों से जारी पानी की किल्लत को लेकर भाजपा ने केडीएमसी के 'ड' प्रभाग कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। नाराज नागरिकों और भाजपा पदाधिकारियों ने कल्याण-पूना लिंक रोड पर तीन घंटे तक रास्ता रोको आंदोलन किया। महापालिका प्रशासन द्वारा पानी की समस्या के समाधान को लेकर लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया।

पूर्व नगरसेवक मनोज राय ने कुछ दिनों पहले ही प्रभाग कार्यालय में अधिकारियों को पानी संकट के मुद्दे पर घेरा था। इस दौरान भाजपा विधायक सुलभा गायकवाड, भाजपा जिला अध्यक्ष नंदू परब, पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र सूर्यवंशी, शशिकांत कांबळे, अभिमन्यु गायकवाड, समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

ठाणे मनपा क्षेत्र के अंतर्गत अवैध निर्माण कार्य के नल कनेक्शन काटने का अभियान जारी

ठाणे. ठाणे मनपा क्षेत्र के अंतर्गत दिवा, माजीवाड़ा, मानपाड़ा, वर्तकनगर, कलवा, लोकमान्य नगर, सावरकरनगर, उथलसर आदि क्षेत्रों में आज अनधिकृत निर्माणों के नल कनेक्शन काटने, बोरवेल बंद करने और पंप जब्त करने की कार्रवाई की गई।ठाणे मनपा के छह प्रभाग समितियों के अंतर्गत जल आपूर्ति विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में अनधिकृत निर्माणों के कुल 28 नल कनेक्शन काटे गए, 19 बोरवेल बंद किए गए और 2 पंप जब्त किए गए।यह सभी नल कनेक्शन अवैध रूप से लिए गए थे। इस संबंध में मामला दर्ज करने की भी कार्रवाई की जा रही है।यदि अनधिकृत निर्माणों को जलापूर्ति की गई है, तो उसके दस्तावेजों की

जांच की जानी चाहिए।मनपा आयुक्त सौरभ राव ने जल आपूर्ति विभाग को बताया कि यदि निर्माण अवैध है, तो पाइप कनेक्शन तुरंत काट दिया जाना चाहिए और इसी प्रकार, यदि मनपा की जल आपूर्ति से अवैध रूप से पाइप कनेक्शन को कट कर कार्रवाई करने के लिए दिया निर्देश।उपनगर अभियंता विनोद पवार ने बताया कि इसी के तहत आज दिवा,माजीवाड़ा मानपाड़ा, वर्तकनगर, कलवा, लोकमान्य सावरकनगर, उथलसर प्रभाग समिति के क्षेत्रों में अनधिकृत निर्माणों के पाइप कनेक्शन काटने का विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में आंशिक रूप से निर्मित और कब्जे वाले अनधिकृत निर्माणों का निरीक्षण किया गया और उनके पाइप कनेक्शन काट दिए गए। विनोद पवार ने बताया कि पंप भी जब्त कर लिए गए हैं और कुछ जगहों पर बोरवेल बंद कर दिए गए हैं, जबकि 61 इमारतों का निरीक्षण किया गया है।

नाग पंचमी में भक्तों ने की नागदेवता की पूजा

भिवंडी. वराल देवी मंदिर चौक के समीप स्थित स्वामी अय्यप्पा भगवान मंदिर प्रांगड़ स्थित नाग देवता मंदिर में नाग पंचमी के अवसर पर भक्तों द्वारा पूजा अर्चन कर प्रसाद ग्रहण किया गया.

स्वामी अय्यप्पा मंदिर संस्थापक अध्यक्ष पूर्व पार्षद संतोष शेट्टी द्वारा विगत 15 वर्षों से नाग पंचमी के अवसर पर नाग देवता की पूजा, अर्चना के आयोजित विशाल कार्यक्रम में भक्त गण सुबह से ही मंदिर पहुंचकर नाग देवता की धार्मिक पूजा,दूध अभिषेक आदि कर प्रसाद का महापुण्य प्राप्त किया.उक्त मौके पर संतोष शेट्टी ने बताया कि,नाग पंचमी का हिन्दू धर्म में भारी महत्व है.

नाग पंचमी के दिन भारी संख्या में भक्त गण नाग देवता की पूजा अर्चना करते हैं और नाग भगवान से जीवन खुशहाली की खातिर आशीर्वाद मांगते हैं.

मुंबई-वडोदरा हाईवे को सुपेगांव से जोड़ने के लिए केंद्र ने किया 160 करोड़ मंजूर

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी लोकसभा सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुंबई वडोदरा हाईवे को भिवंडी के लामज सुपेगांव से जोड़ने का अनुरोध किया था. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाइवे कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट के लिए करीब 160 करोड़ का फंड मंजूर किया है. प्रस्ताव अंतिम चरण में है और जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है.

गौरतलब हो कि,मुंबई-वडोदरा हाईवे, भिवंडी-वाडा रोड से होकर गुजरता है.भिवंडी-वाडा राष्ट्रीय राजमार्ग औद्योगिक, व्यापार और

कृषि क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी होने के बाद भी मुंबई-वडोदरा हाईवे के गुजरने के बावजूद यहां के लोगों के लिए कनेक्ट न होने के कारण 18 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता था. हाइवे कनेक्टिविटी नहीं होने से वाहन चालकों का समय, ईंधन और आर्थिक नुकसान होता था, जिससे स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, उद्योगपतियों और किसानों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था.उक्त मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए भिवंडी लोकसभा सांसद म्हात्रे ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मांग की थी कि भिवंडी-वाडा मार्ग पर लामज सुपेगांव के पास मुंबई-वडोदरा हाईवे पर एक सीधा प्रवेश द्वार बनाया जाए जिससे हजारों लोगों का सफर सुगम हो सके.उन्होंने सड़क के चौड़ीकरण, सुदृढीकरण और मरम्मत के साथ-साथ आधुनिक यातायात सुविधाएं बनाने का भी आग्रह किया था.जानकारों के अनुसार, नया इंटरचेंज बनाने से भिवंडी-वाडा मार्ग सीधे एक्सप्रेस वे से जुड़ जाएगा. यातायात तेज और स्थानीय लोगों के लिए आवागमन आसान हो जाएगा. उक्त सड़क प्लान से भिवंडी-वाडा औद्योगिक पट्टी का तेजी से विकास होकर 5,000 से अधिक नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे जिससे स्थानीय युवाओं तथा श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा.सांसद बाल्या मामा ने बताया कि यह परियोजना स्थानीय नागरिकों, किसानों और यात्रियों के साथ-साथ भिवंडी के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी. परियोजना से भिवंडी-वाडा क्षेत्र का तेजी से विकास होगा.

संत कबीर औद्योगिक कॉलेज में मनाया कारगिल विजय दिवस

- कला, निबंध और शौर्य गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. कारगिल विजय दिवस उपलक्ष्य में भादवड़ स्थित संत कबीर औद्योगिक कॉलेज में कारगिल शहीदों के लिए श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सेवानिवृत्त सेना जवान सुभाष मिसाल ने उपस्थित छात्रों को कारगिल विजय दिवस का महत्व समझाते हुए कहा कि कारगिल, लेह, लद्दाख में बहुत ही विपरीत परिस्थितियों में हमारे सैनिकों द्वारा प्राप्त की गई विजय बहुत महत्वपूर्ण है. कारगिल हमारी भूमि है. हमारे सैनिकों ने इसकी रक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाई.हमारे लगभग 527 सैनिक मारे गए और लगभग 1300 घायल हुए थे.बहादुर सैनिकों ने बहुत ही विपरीत परिस्थितियों में भी हमें विजय दिलाई. उन्होंने छात्रों से देश की रक्षा के लिए सेना भर्ती में भाग लेने की अपील की. मनपा अधिकारी मिलिंद पलसुले ने कारगिल दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सेना में शामिल होने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन दिया. संस्थान की प्राचार्य सीमा महाजन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि, अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर और सतर्क रहना चाहिए. शिक्षक पुरुषोत्तम धानोकर ने भी कारगिल दिवस का महत्व समझाते हुए अपने विचार व्यक्त किए.शासकीय तकनीकी विद्यालय के विकास विशेषज्ञ प्रथम चौधरी, श्रीमती ज्योत्सना सोनटक्के, वैभव कवड़े, भरत साबले ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष प्रयास किए. कारगिल दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई. कला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता और शौर्य गीत गायन प्रतियोगिता में सहभागी हुए विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया.

मानसिक रोगियों को मिला आभूषण निर्माण प्रशिक्षण

- 'स्किल इंडिया आइकॉन' फाउंडेशन की पहल
- मानसिक रोगियों ने बढ़ाया आत्मनिर्भरता की ओर कदम

ठाणे. एक समय था जब मानसिक रूप से बीमार लोग सिर्फ़ चारदीवारी में कैद थे। लेकिन अब समय बदल रहा है। ठाणे क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल के रोगियों ने केंद्र सरकार के स्किल इंडिया सर्टिफिकेट के ज़रिए समाज में फिर से खड़े होने के लिए आत्मविश्वास के साथ पहला कदम बढ़ाया है। रोगियों को आभूषण निर्माण का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर

बनाने का प्रयास किया गया है।जब कोई मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति घर में होता है, तो परिवार हमेशा तनाव में रहता है। इसलिए, उन्हें हमेशा इस बात की चिंता रहती है कि भविष्य में उनका क्या होगा, लेकिन ठाणे क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल इन रोगियों के लिए सहारा बन रहा है।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नेताजी मुलिक के मार्गदर्शन में और जन शिक्षण संस्थान और 'स्किल इंडिया आइकॉन' फाउंडेशन की संयुक्त पहल के माध्यम से, विभिन्न आयु वर्ग के 20 मानसिक रूप से बीमार रोगियों को 90 दिनों का विशेष आभूषण निर्माण प्रशिक्षण दिया गया। कभी-कभी अस्पताल में भर्ती मरीज़ों को उनके रिश्तेदार अस्पताल में ही छोड़ जाते हैं। कुछ अपनी भाषा खो चुके होते हैं, तो कुछ अपनी आत्मा खो चुके होते हैं। लेकिन इस प्रशिक्षण ने उनकी आँखों में एक अलग ही चमक ला दी।

प्रमाणपत्र वितरण समारोह उनके जीवन का 'गर्व का क्षण' था। जब हर मरीज़ ने प्रमाण पत्र पकड़ा, तो उनकी आँखों में आँसू थे और मन में एक विचार था, 'मेरा जीवन अभी खत्म नहीं हुआ है। अभी भी कुछ संभव है। इस प्रशिक्षण में उन्हें व्यावसायिक कौशल, संचार, आत्मनिर्भरता और रोज़गार कौशल सिखाया गया। उपचार विभाग में डॉ. सुधीर पुरी, डॉ. नीलिमा बागवे, डॉ. पायल सुरपम, डॉ. प्रियतम दंडवते, डॉ. अंकिता शेटे के अथक प्रयासों से मरीज़ अब नई उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

इस प्रशिक्षण से, मानसिक रूप से बीमार मरीज़ अब सिर्फ़ इलाज करवाने वाले मरीज़ नहीं रह गए हैं।वह अब अपना जीवन ख़ुद बनाने के लिए तैयार हैं। अगर समाज उन्हें प्यार करे, तो मानसिक बीमारी अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत का अवसर है।

ऑनलाइन गेम के लिए बेटे ने की मां की हत्या

वसई. वसई में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां ऑनलाइन गेम के लिए पैसों को लेकर हुए विवाद में एक 32 वर्षीय सौतेले बेटे ने अपनी 61 वर्षीय मां की कथित तौर पर हत्या कर दी। इस जघन्य अपराध में उसके 65 वर्षीय पिता ने सबूत मिटाने में उसकी मदद की। क्राइम ब्रांच 2 ने इस सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तब सामने आया जब 26 जुलाई, को वसई पश्चिम स्थित पेरियार अपार्टमेंट निवासी आसिया खुसरू अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गईं। चौंकाने वाली बात यह थी कि उनके पति और अन्य रिश्तेदारों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार कर दिया था.

क्राइम ब्रांच 2 के प्रभारी अधिकारी, पुलिस निरीक्षक समीर अहिरराव को एक गोपनीय रिपोर्ट से जानकारी मिली कि यह कोई सामान्य मृत्यु नहीं, बल्कि एक हत्या थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए, अहिरराव ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया और उनकी अनुमति के बाद घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस ने मृतक महिला के रिश्तेदारों और अन्य गवाहों से पूछताछ की, साथ ही घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। जांच के दौरान, पुलिस ने मृतक महिला के सौतेले बेटे मोहम्मद इमरान अमीर खुसरू को हिरासत में लेकर पूछताछ किया।

गहन पूछताछ में उसने अपना अपराध कबूला। इमरान ने बताया कि उसे ऑनलाइन गेम खेलने के लिए 1,80,000 की आवश्यकता थी। सौतेली माँ आसिया से पैसे मांगे, जब उन्होंने इनकार किया, तो वह गुस्से में आ गया और माँ का सिर रसोई से दालान की ओर जाने वाले रास्ते में वॉशबेसिन के पास दीवार के कोने पर पटक कर और उनके चेहरे पर लात मारकर उनकी हत्या कर दी। बाद में इमरान ने मृतक के शयनकक्ष में रखी अलमारी से 2 सोने की चूड़ियाँ और एक सोने की चेन भी चुरा ली। घटना की जानकारी पिता मो अमीर मो इस्माइल खुसरू को दी।

फरहान अख्तर ने मिलिट्री ट्रेनिंग ली

- -10C में 14,000 फीट ऊंचाई पर '120 बहादुर' शूट हुई
- फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी का रोल निभाएंगे

एक्टर फरहान अख्तर जल्द ही फिल्म '120 बहादुर' में नजर आएंगे। फिल्म, 1962 की रेजांग ला की लड़ाई पर बनी है, जहां 120 भारतीय जवानों ने हजारों दुश्मनों के सामने हार नहीं मानी और लद्दाख की रक्षा के लिए अपनी हिम्मत की हर हद पार कर दी। मेजर शैतान सिंह भाटी (PVC) की जिंदगी से ये फिल्म प्रेरित है।

फिल्म की शूटिंग लद्दाख की ऊंची और बेहद कठिन जगहों पर हुई, जहां हालात काफी मुश्किल थे। फिल्म को लेकर एक इंडस्ट्री सूत्र ने बताया, 'टीम ने करीब 14,000 फीट की ऊंचाई पर लद्दाख में शूट किया, जहां तापमान कई बार -5 से लेकर -10 डिग्री तक चला जाता था। मकसद था कि इस कहानी को पूरी सच्चाई और ईमानदारी के साथ दिखाया जाए और इसमें फरहान ने पूरी तरह खुद को शरीर, दिमाग और दिल से झोंक दिया।'

फरहान अख्तर, जो फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी (PVC) का किरदार निभा रहे हैं, ने इस रोल के लिए खुद को पूरी तरह बदल लिया, उन्होंने मिलिट्री स्टाइल ट्रेनिंग ली और ऊंचाई वाले इलाकों में खुद को ढालने के लिए खास तैयारी भी की।

कांवड़ियों के स्वागत एवं अल्पाहार सेवा का आयोजन

- हर हर महादेव के नारों की रही गूंज..

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. 'पैरों में छाले, फिर भी चले मतवाले' भगवान महादेव के भक्त कांवड़ियों का श्रद्धापूर्वक स्वागत और सेवा रोटेरियन महेश कुमावत की फैक्ट्री सरोज सीमेंट (कवाड़ टोल नाका) में किया गया. शिव भक्तों ने एक स्वर से हर हर महादेव के नारों से कांवड़ियों का स्वागत किया. सेवा कार्य में महेश कुमावत और उनके परिवार के

साथ-साथ रोटरी परिवार से अध्यक्ष रमेश मालानी, राजेश पालीवाला, दीपक गांधी, मुरली हेडा, दिलीप पोद्दार, सुरेश गरेला, जयकुमार थेरानी, पवन खंडेलवाल, दास भाई पटेल, कनियालाल इनानी, सुनील रोहरा और पराग मेहता उपस्थित थे.

पिछले 20 वर्षों से चल रही इस परंपरा को इस वर्ष भी महेश कुमावत के परिवार ने रोटरी परिवार के साथ मिलकर बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाया गया. सुबह 11 बजे से शुरू हुए सेवा कार्य में सैकड़ों कांवड़ियों को अल्पाहार और ताज़गी भरे पेय प्रदान किए गए.कांवड़िए वज्रेश्वरी से जल भरकर नवी मुंबई कोपरखैरने स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक करते हैं.यह अद्भुत यात्रा शिवभक्ति की सच्ची मिसाल है.सेवार्थियों ने कहा कि 'भक्ति का मार्ग सेवा से होकर जाता है, और महादेव के भक्तों की सेवा करना ही सबसे बड़ा पुण्य है. सभी गणमान्य जनों ने कांवड़ियों का उत्साहपूर्वक स्वागत कर पुण्य लाभ अर्जित किया.

नाव पलटने के बाद लापता 3 मछुआरों के शव बरामद

- अलीबाग के अलग-अलग स्थानों पर बहकर आए

रायगढ़. रायगढ़ तट से दूर अरब सागर में तुलजाई मछली पकड़ने वाली नाव के पलट जाने के बाद लापता हुए तीन मछुआरों के शव अलीबाग तटरेखा के साथ अलग-अलग स्थानों पर बहकर आए। मृतकों की पहचान नरेश राम शेलार, 36, और मुकेश यशवंत पाटिल, 35, के रूप में हुई है, दोनों रायगढ़ के आप्टा के निवासी हैं। धीरज काशीनाथ कोली, 35, करंजे के निवासी थे। पुलिस रिपोर्टों के अनुसार, सोमवार को लगभग 10.45 बजे, शेलार का शव सासावने बीच पर स्थित था। इसके तुरंत बाद, कोली का शव दिघोडी बीच पर मिला। सुबह 11.05 बजे तक, पाटिल का शव कामत बीच पर स्थित था।

यह घटना शनिवार की सुबह आठ मछुआरों द्वारा राज्यव्यापी मछली पकड़ने पर लगे प्रतिबंध को धता बताते हुए उरण के करंजदे बंदरगाह से समुद्र में जाने के बाद हुई। उनमें से पाँच तैरकर सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे और उन्होंने तुरंत तटीय अधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद रायगढ़ पुलिस, भारतीय तटरक्षक बल और स्थानीय मछुआरों की मदद से एक बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099